पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

◆ वर्ष - 22 ◆ अंक - 22 ◆ रायपुर 20 मई 2026 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

400 अत्याधुनिक आपातकालीन वाहन एवं 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को दिखाई हरी झंडी

गृह मंत्री अमित शाह ने अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' का किया शुभारंभ

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज माना पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह एवं की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने 400 अत्याधुनिक डायल-112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके तहत शुरू किए गए 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह सेवा 24&7 संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राज्य के सभी 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। नागरिक वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और स्ह्र्स-112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

मोबाइल फॉरेंसिक वैन से घटनास्थल पर ही होगी वैज्ञानिक जांच

'Science on Wheels – Towards Faster Justice' थीम पर आधारित 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। 32 वैन 32 जिले एक संकल्प सटीक जांच, त्वरित न्याय के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

लगभग 65 लाख रुपये प्रति यूनिट लागत वाली इन अत्याधुनिक वैन में घटनास्थल संरक्षण किट, साक्ष्य संग्रहण एवं सीलिंग उपकरण, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन सिस्टम, नार्कोटिक्स परीक्षण किट, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता फोटोग्राफी व्यवस्था, बुलेट होल स्r ीनिंग एवं बैलिस्टिक जांच किट तथा गनशॉट रेजिड्यू परीक्षण किट जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब तक अपराध स्थल से साक्ष्य प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने में समय लगता था, जिससे साक्ष्यों के दूषित होने की संभावना बनी रहती थी तथा रिपोर्ट आने में भी विलंब होता था। नई मोबाइल फॉरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक जांच, साक्ष्य संरक्षण, परीक्षण और डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता और गति दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

बढ़ते नशे के कारोबार पर सरकार करेगी और सख्ती

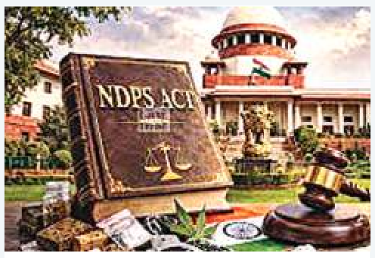

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशे के बढ़ते मामलों के सामने आने के बाद सरकार ने सख्ती करने का फैसला लिया है। इसके मद्देनजर अब प्रशासनिक स्तर पर बड़ी तैयारी की जा रही है। इसके तहत रायपुर, बिलासपुर और महासमुंद में पिछले कुछ समय से मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके बाद अलग अलग विभागों के बीच लगातार बैठकें चल रही थीं। अब सरकार ने फैसला लेते हुए राज्य शासन ने मादक पदार्थों से जुड़े मामलों के तेजी से निपटारे के लिए तीन जिलों में विशेष अदालत बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इन अदालतों में केवल एनडीपीएस कानून से जुड़े मामलों की सुनवाई की जाएंगी। शासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक तीनों अदालतें (एनडीपीएस कोर्ट) 11 मई 2026 से प्रभावी मानी गई हैं। इनका अधिकार क्षेत्र संबंधित जिला और सत्र न्यायाधीश द्वारा तय किया जाएगा।

जिलों की विशेष अदालतों से मामले का निपटारा

नई विशेष अदालतें रायपुर, बिलासपुर और महासमुंद जिले के सरायपाली में गठित की गई हैं। इन अदालतों में ड्रग तस्करी और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी।

भुवनेश्वर जोनल कॉन्फ्रेंस में मंत्री रामविचार नेताम ने रखी राज्य की उपलब्धियां, केंद्र ने की सराहना

छत्तीसगढ़ बना कृषि सुधारों का राष्ट्रीय मॉडल- मंत्री नेताम

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 19 मई को आयोजित राष्ट्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ को कृषि नवाचार, किसान कल्याण और टिकाऊ खेती के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि, कृषि विविधीकरण और ग्रामीण समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने तिलहन मिशन के तहत पूर्वोत्तर पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ द्वारा लक्ष्य पूरा करने में पहले स्थान प्राप्त करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि राज्य में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो देश में धान के लिए सबसे पारदर्शी और ऐतिहासिक समर्थन व्यवस्था मानी जा रही है। पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने 437 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी कर किसानों के खातों में लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का सीधा भुगतान किया है।

भूमिहीन मजदूरों से लेकर डिजिटल खेती तक, छत्तीसगढ़ का व्यापक कृषि विजन

सम्मेलन में मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार केवल बड़े किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत 5 लाख से अधिक परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता सीधे बैंक खातों में दी जा रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ तेजी से बागवानी और वैकल्पिक खेती के केंद्र के रूप में उभर रहा है। बस्तर में कॉफी, अनासपाती और जशपुर में चाय की खेती आदिवासी क्षेत्रों में नई आर्थिक संभावनाएं खोल रही हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने जोनल कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में कृषि के क्षेत्र में 128 हाईटेक नर्सरी, 71 कोल्ड स्टोरेज, 63 पैकहाउस और 428 सोलर ड्रायर विकसित किए गए हैं। ऑयल पाम, बांस मिशन, प्राकृतिक खेती, दलहन–तिलहन विस्तार तथा कृषि वानिकी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 4.89 लाख किसानों को 854 करोड़ रुपये से अधिक की दावा राशि वितरित की गई है। श्री परदेशी ने कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ में एआई, ड्रोन तकनीक और एकीकृत किसान पोर्टलों के माध्यम से कृषि व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जा रहा है।

साजा मुख्यालय का सुशासन शिविर अव्यवस्थाओं के बीच आयोजित

तहसीलदार और एसडीएम की अनुपस्थिति में हुआ कार्यक्रम का संचालन, व्यवस्थाओं की कमी से लोगों को हुई परेशानी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया । सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत साजा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में एक ओर जनप्रतिनिधियों ने जनता से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं, वहीं दूसरी ओर शिविर अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा का विषय बना रहा।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं अपेक्षाओं को जाना गया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान प्रदेश एवं केंद्र की डबल इंजन भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों पर भी चर्चा हुई। हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं से मिले लाभ एवं सुविधाओं के अनुभव साझा किए।

हालांकि शिविर में तहसीलदार एवं एसडीएम की अनुपस्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी देखी गई। कार्यक्रम का संचालन अन्य अधिकारियों के माध्यम से किया गया। वहीं व्यवस्थाओं की कमी के कारण लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा तथा आवेदन एवं समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया में भी अव्यवस्था की स्थिति बनी रही। शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम में साजा विधायक ईश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, नगर पंचायत अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, ज्वाला सिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष भुलाक साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कहा गया कि जनता की सेवा एवं उनकी समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन को आमजन के और अधिक निकट लाने का प्रयास किया जा रहा है।

आंधी तूफान ने मचाया तबाही का मंजर

, जगह जगह पेड़ गिरने व छप्पर उड़ने की घटना से लोग हुए परेशान साथ ही घंटे दर घंटे की विद्युत गुल से हलाकान

नपा. अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सुबह से ही पेड़ हटाने जुटे रहे

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में गुरूवार की रात्रि 10 बजे के बाद से अचानक आये भीषण तूफान व आंधी के साथ हुई बारिश ने जनजीवन को पुरी तरह अस्त व्यस्त कर दिया । भीषण आंधी तूफान से समुचे शहर के अलग अलग हिस्सो में सैकड़ो छोटे बड़े पेड़ पौधे व पुराने वृक्ष धराशायी हो गये जिसमें गौरवपथ में पुराने जीवनमल अस्पताल के सामने एक वृक्ष के गिर जाने से एक दिशा का यातायात बाधित रहा वहीं इसी मार्ग पर गिरजाघर के समीप भी बड़े वृक्ष के गिरने से यातायात कुछ पल के लिए बाधित रहा । घटना की जानकारी पर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने दल बल के साथ सड़क बाधित क्षेत्र पर अभियान चलाते हुए तमाम अवरूद्ध रास्ते को सुबह से ही खुलवाने के लिए जेसीबी व अन्य साधनों से सड़क मार्ग की बाधा को दुर किया। इस बीच रात्रि 10-30 से अल सुबह 4 बजें तक कुल साढ़े छह घंटे तक विद्युत प्रदाय बंद होने से लोगो को भारी परेशानी से जुझना पड़ा क्योकि एक ओर जहां उमस भरी गर्मी का माहौल रहा वहीं दुसरी ओर मच्छरों ने लोगो को परेशान कर रखा जिसके कारण लोग चैन की नींद भी सो नही पाये और रात भर सिर्फ बिजली आने का इंतजार करते रहे। इस बीच भीषण तूफान के तूफानी मंजर से शहर के अनेक कच्चे कब्जे वाले दुकान , मकान व टीन टप्पर वाले अनेक स्थान पर पेड़ गिरने , छप्पर उड़ने , खंभा गिरने तथा अनेक स्थानों पर ट्रांसफार्मर को क्षति पहुंचने की लगातार खबर मिलने के बाद पालिका प्रशासन व विद्युत विभाग के लोग अपने अपने स्तर पर व्यवस्था सुधारने में लगे रहे। हल्की व मध्यम बारिश के कारण अनेक स्थानों पर जल भराव की स्थिति भी देखने को मिली जिसमें हटरी बाजार , रेलवे अंडर ब्रिज के बाजु से सर्विस रोड में चावला सायकल के पीछे जल जमाव की स्थिति शाम तक बनी हुई थी वहीं मंडी गेट के सामने से लेकर सचदेव सायकल की ओर जाने वाली सड़क पर भी जल जमाव के हालात बने हुए है। कुल मिलाकर आंधी तूफान की भीषण प्रहार से लगातार दो दिनों तक क्षेत्र प्रभावित रहा है।

शहर व क्षेत्र के पेट्रोल पंप में तेल लेने वालों की लंबी लाईन

भाटापारा। शहर में अचानक से पेट्रोल व डीजल के भाव में वृद्धि किये जाने के बाद नगर के व्यस्त पेट्रोल पंप में कुछ घंटे के लिए पेट्रोल प्रदाय बंद रहा । इसी प्रकार एक अन्य पेट्रोल पंप में सुबह से दोपहर तक पेट्रोल नही है का बोर्ड लगाकर पंप बंद रखा गया वहीं शहर के सीमा से बाहर एक अन्य पेट्रोल पंप में दुपहिया मोटर सायकल को केवल दो सौ रूपयें तक का ही पेट्रोल देने का नोटिस चस्पा किया गया था। वहीं चौपहिया वाहनों को एक हजार रूपयें तक का पेट्रोल देने का बोर्ड भी अनेक पेट्रोल पंप में लगाया गया है। वैश्विक संकट के बीच अचानक डीजल पेट्रोल में मूल्य वृद्धि के बावजुद तमाम पेट्रोल पंपो में सैकड़ो दुपहिया चौपहिया व भारी वाहन पेट्रोल डीजल लेने सुबह से देर रात तक लाईन में लगे रहे। जिसके कारण सभी छोटे बड़े पेट्रोल पंप में भीड़ का नजारा देखने को मिला एक ओर जहां दुपहिया वाहन चालक सैकड़ो की तादाद में बीच सड़क तक लाईन लगाये खड़े रहे वहीं ट्रक , मेटाडोर , ट्रैक्टर व हैवी वाहन की भी लंबी कतार से सड़क जाम की स्थिति दिन भर बनी रही । पेट्रोल डीजल की संभावित संकट को देखते हुए लोग पेट्रोल डीजल भरवाने पंपो पर टुट पड़े है व लोग जिसको जहां पर पेट्रोल डीजल मिल रहा हैवहां पहुंचकर तेल भरवाने के काम में व्यस्त रहे। इस बीच पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ते ही विभिन्न गैरेज संचालको ने अपने माल भाड़ा में वृद्धि कर दिया है जिसके कारण तमाम वस्तुओं के दाम भी अब बढ़ने लगे है । दुध सहित खाद्य पदार्थ व होटल ढाबो में भी मूल्य वृद्धि का बोर्ड लग गया है। परिणाम स्वरूप उपभोक्ताओं को अब जरूरी खानपान के साथ साथ अब आवश्यक वस्तुओं के भी अधिक दाम चुकाने पड़ रहे है।

सौम्या मंधानी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नगर को गौरान्वित किया

भाटापारा। अम्बुजा विद्या पीठ रवान की छात्रा भाटापारा निवासी कविता नरेश मंधानी की सुपुत्री सौम्या मंधानी ने सी.बी.एस.ई. 12 बोर्ड की परीक्षा में कॉमर्स क्लास में 93.08 प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से परिवार, स्कूल व पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल रहा। इस उपलब्धि पर परिवार जनों व शुभचिन्तकों ने बधाई दी है। सौम्या आरंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं जिसने 10वीं बोर्ड परीक्षा में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी इस सफलता से उन्होंने अपने परिवार व अपने शिक्षकों व मार्गदर्शकों का आभार जताया।

तपती धरती, झुलसता जीवन जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है।

दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

नवा रायपुर अटल नगर- विकास, निवेश और आधुनिक भारत का उभरता स्मार्ट शहर

नवा रायपुर अटल नगरः उपलब्धियों से नई ऊँचाइयों की ओर

सुनील कुमार त्रिपाठी
सहायक संचालक जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ की आधुनिक और योजनाबद्ध राजधानी नवा रायपुर अटल नगर आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों में शामिल है। सुव्यवस्थित अधोसंरचना, हरित विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने नवा रायपुर को भविष्य के भारत का आदर्श शहरी मॉडल बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और समावेशी विकास का उभरता हुआ केंद्र है। नवा रायपुर अटल नगर में 52 एमएलडी क्षमता की पाइपलाइन और अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से पूरे शहर में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इससे वर्तमान आबादी के साथ-साथ नए विकसित हो रहे सेक्टरों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी।

वर्षाजल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए 10.66 किलोमीटर लंबी बायोस्वेल्स, रिचार्ज पिट्स और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र विकसित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल जल संरक्षण को मजबूत किया है, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन को भी सुदृढ़ किया है।

परिवहन और कनेक्टिविटी को मिला नया आयाम

रायपुर-राजिम रेल सेवा का नवा रायपुर के सीबीडी स्टेशन तक विस्तार शहर की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान कर रहा है। महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा सेवा शुरू की गई है। साथ ही, ई-बस संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और सेवा प्रारंभ होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह पहल हरित और टिकाऊ शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा के क्षेत्र में विकसित हो रहा एडूसिटी

नवा रायपुर के 13 सहकारी विद्यालयों का उन्नयन किया गया है और दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में एडूसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे National Institute of Fashion Technology (NIFT), National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT) और National Forensic Sciences University (NFSU), Narsee Monjee को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-7 में 17 एकड़ भूमि पर आवासीय विद्यालय की स्थापना प्रस्तावित है।

मेडिसिटी- स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में विश्वस्तरीय मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यहाँ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, धर्मशाला, होटल और आवासीय सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।

इस परियोजना के तहत Bombay Hospital को 300 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। साथ ही, लगभग 50 एकड़ भूमि पर आवासीय विकास हेतु निजी निवेशकों को भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

महिला सशक्तिकरण और श्रमिक कल्याण

कार्यरत महिलाओं के लिए 1,000 क्षमता वाले वर्किंग वुमन हॉस्टल का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह परियोजना महिला सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

इसके अतिरिक्त, प्रवासी श्रमिकों के लिए 1,100 क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त श्रमिक आवास भवन 40 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है।

पर्यटन, संस्कृति और MICE गंतव्य के रूप में उभार

नवा रायपुर में 77 एकड़ भूमि पर सेवाग्राम तथा सेक्टर-39 में Art of Living Foundation को 40 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहाँ सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के बड़े केंद्र विकसित हो रहे हैं।

सेक्टर-4 और 10 में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से कन्वेंशन सेंटर कम स्पोर्ट्स सिटी विकसित की जा रही है। लगभग 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर और टेनिस, तैराकी, कुश्ती, तीरंदाजी तथा स्क्वैश जैसी खेल सुविधाएँ शामिल होंगी।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी का उभरता हब

नवा रायपुर में राज्य का पहला स्र्ध्वं आधारित एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश अपेक्षित है।

यहाँ भारत का पहला तड्डह तकनीक आधारित सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए भी भूमि आवंटित की गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर हेतु भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त हुई है, जहाँ PCB प्रोटोटाइपिंग, 3D प्रिंटिंग और EMC टेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

सीबीडी क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आईटी कंपनियों को सुसज्जित कार्यालय स्थान उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में लगभग 1,000 युवा कार्यरत हैं और 2,000 अतिरिक्त रोजगार सृजन की संभावना है।

सतत विकास और हरित पहल

पीपल फॉर पीपल अभियान के अंतर्गत 1 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे शहर के 26 प्रतिशत हरित क्षेत्र को संरक्षित और विस्तारित करने में मदद मिली है। बायोस्वेल्स, रिचार्ज सिस्टम और हरित कॉरिडोर जैसे उपाय नवा रायपुर को पर्यावरण-अनुकूल और जल-संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

जिला प्रशासन और बालको के सहयोग से सड़क एवं पुल के निर्माण को मिलेगी नई गति

बालकोनगर । कोरबा जिले में सड़क विकास को नई गति देते हुए जिला प्रशासन ने बजरंग चौक से रिसदा पुल (परसाभाठा मार्ग) के उन्नयन कार्य को आगे बढ़ाया है। इसमें भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) सहयोगी भागीदार के रूप में जुड़ा है।

यह मार्ग बालको क्षेत्र से जुड़े ग्रामीण बस्तियों, जिनमें परसाभाठा, नेहरू नगर, भद्रापारा सहित आसपास के अन्य समुदाय शामिल हैं, के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क की कड़ी है। यह सड़क जामबहार समुदाय को रूमगरा समुदाय से जोड़ते हुए बालकोङ्ककोरबा और बालकोङ्ककटघोरा के बीच एकमात्र संपर्क मार्ग के रूप में कार्य करती है तथा आगे भारत सरकार की भारतमाला परियोजना से भी जुड़ाव प्रदान करेगी।

परियोजना के अंतर्गत फोर-लेन सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क, जिसके मध्य डिवाइडर, आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग, सुव्यवस्थित ड्रेनेज सिस्टम सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह परियोजना क्षेत्र में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अभी तक यह सड़क टू-लेन का कोलतार से बना है। इसके साथ-साथ आम जनता के सुलभ आवागमन के लिए बेलगिरी एवं रिसदा पुल का मरम्मत कार्य भी बालको के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा। इस निर्माण कार्य से ट्रैफिक समस्या में सुधार और दुर्घटना में कमी आएगी।

परियोजना का क्रियान्वयन जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा, जिससे गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित होगा। बालको निरंतर जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय समुदाय के जीवनस्तर में सुधार और क्षेत्र के सतत विकास हेतु सहयोग करता रहा है।

पिछले वर्षों में भी प्रशासन के मार्गदर्शन और सहयोग से लालघाट सड़क, बजरंग चौक से रेलवे क्रॉसिंग तथा बालको पुलिस थाना से सेक्टर-4 के वन विभाग के बैरियर तक सड़क नवीनीकरण जैसे कई कार्य किए गए हैं। इसके अतिरिक्त यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पार्किंग जिसमें एल्यूमिना गेट पर दोपहिया पार्किंग, कोयला ट्रकों के लिए कोल गेट एवं फ्लाई ऐश पॉन्ड क्षेत्र में पार्किंग तथा भारी वाहनों के लिए अतिरिक्त पार्किंग सुविधाओं का निर्माण भी किया गया है।

जिला प्रशासन और बालको की यह साझेदारी स्थानीय समुदाय के साथ विश्वास, सहयोग और साझा विकास की भावना को सुदृढ़ करेगी। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

बालको स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने हेतु नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में निरंतर अग्रसर है। नेहरू पार्क, बालको स्टेडियम, आधुनिक बालको अस्पताल, विद्यालय, चौड़ी सड़कें, फुटपाथ, फॉरेस्ट वॉक वे का निर्माण, जुबली पार्क के सौंदर्यीकरण और नए इंडियन कॉफी हाउस जैसी सुविधाएँ बालकोनगर को समृद्ध बना रही हैं, जिससे सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा और नागरिकों को बेहतर जीवन अनुभव मिल रहा है।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा विजिबल पुलिसिंग एवं चेकिंग अभियान की लगातार कार्यवाही जारी

होटल, ढाबों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों एवं सुनसान क्षेत्रों में विशेष चेकिंग और लगातार पैदल गश्त पेट्रोलिंग जारी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जिले में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश कुमार यादव तथा एसडीओपी बेमेतरा श्री भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा सतत विजिबल पुलिसिंग, संवेदनशील क्षेत्रों एवं अड्डेबाजी स्थलों पर लगातार पैदल गश्त पेट्रोलिंग तथा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 20 मई 2026 को थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सउनि रेशम लाल भास्कर, उदलराम टांडेकर, दीनानाथ सिन्हा, प्रधान आरक्षक भूषण ठाकुर, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार, कुसुम कोशले, चुरावन पाल सहित पेट्रोलिंग टीम एवं अन्य पुलिस बल द्वारा थाना क्षेत्र में

पैदल गश्त एवं पेट्रोलिंग के माध्यम से अपराधियों पर सख्ती तथा हुड़दंगियों पर कड़ी कार्यवाही का दिया गया संदेश।

व्यापक पैदल गश्त एवं चेकिंग की गई। बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा होटल, ढाबों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों एवं सुनसान क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान जमावड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी एवं अड्डेबाजी करने वालों तथा संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की गई। संदिग्ध वाहनों की डिक्की की तलाशी ली गई तथा रात्रि में अनावश्यक रूप से घूमने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों एवं चार पहिया वाहनों के भीतर बैठकर शराब पीने वालों के विरुद्ध लगातार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके तथा जिले में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखा जा सके।

15 दिवसीय "विकसित कृषि संकल्प अभियान" सफलतापूर्वक सम्पन्न

कृषि वैज्ञानिकों ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों को दी आधुनिक तकनीक, जैविक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। जिले में कृषि के सतत विकास एवं किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित 15 दिवसीय विकसित कृषि संकल्प अभियान का सफलतापूर्वक समापन 20 मई 2026 को हुआ। यह अभियान 5 मई से प्रारंभ होकर जिले के चारों विकासखंडों की चयनित 96 ग्राम पंचायतों में संचालित किया गया।

अभियान के अंतिम दिवस पर कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की टीम ग्राम मरका, बाराडेरा, कीर्तिपुर, चेतुआ, बुचीपुर, बोरदेही, नवागांवकला एवं सोमईकला पहुंची, जहां किसानों से प्रत्यक्ष संवाद कर उन्हें खरीफ फसलों की उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई।

अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ मौसम हेतु वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना, संतुलित रासायनिक उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित खेती को बढ़ावा देना तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना रहा। इसके साथ ही आधुनिक कृषि यंत्रों, उपकरणों एवं ड्रोन तकनीक के उपयोग और प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों से परिचित कराया गया।

5800 से अधिक किसानों तक पहुंची वैज्ञानिक खेती की जानकारी

अभियान के दौरान फसल बीमा, जल संरक्षण, बीज उपचार एवं बीज उत्पादन, फसल चक्र परिवर्तन, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, जैविक खेती तथा प्राकृतिक कृषि तकनीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस व्यापक अभियान के सफल संचालन में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा, कृषि महाविद्यालय ढोलिया, उद्यानिकी विभाग, मछलीपालन विभाग, पशुपालन विभाग, फसल बीजा, बीज उत्पादक संस्थाओं एवं पंचायत विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा, तकनीकी मार्गदर्शन एवं संगोष्ठियों के माध्यम से 5804 से अधिक किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया। किसानों की रासायनिक खाद से जुड़ी वर्तमान समस्याओं, हरी खाद एवं नील हरित काई के उपयोग से समाधान, कृषि नवाचारों एवं तकनीकी आवश्यकताओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के वैज्ञानिक डॉ. जीतेन्द्र कुमार जोशी ने बेरला विकासखंड के किसानों को हरी खाद एवं नील हरित काई के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने धान रोपा यंत्र, पैडी ड्रम सीडर एवं धान प्लांटर मशीन द्वारा सीधी बुआई की आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही किसानों को उन्नत धान किस्मों के चयन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने तथा फसल अवशेषों को जलाने के बजाय बेलर मशीन से संग्रहित कर अतिरिक्त आय अर्जित करने की सलाह दी।

इसी प्रकार कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के वैज्ञानिक डॉ. लव कुमार साहू ने साजा विकासखंड के किसानों को उद्यानिकी फसलों की आधुनिक खेती, टपक एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति के उपयोग तथा जलवायु आधारित उन्नत किस्मों के चयन की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के माध्यम से टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि वैज्ञानिक श्रीमती रजनी धर्मेंद्र अगाशे एवं श्री डोमन सिंह टेकाम ने बेमेतरा विकासखंड में आयोजित प्रशिक्षण एवं कृषक संगोष्ठियों के दौरान किसानों को मिट्टी की सेहत एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने जानकारी दी कि मिट्टी परीक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों की रिपोर्ट के अनुसार जिले की कृषि भूमि में फॉस्फोरस एवं पोटाश की मात्रा मध्यम से उच्च स्तर पर है, जबकि नत्रजन एवं जैविक कार्बन की मात्रा कम पाई गई है।

लगातार यूरिया एवं डीएपी के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण दोनों प्रभावित हो रहे हैं। किसानों को जैविक एवं जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, ब्रम्हास्त्र, वाफसा एवं आच्छादन जैसी प्राकृतिक खेती तकनीकों की उपयोगिता समझाई। साथ ही एजोस्पिरिलम, एजेटोबैक्टर, माइकोराइजा, पीएसबी, केएसबी एवं एनपीके कंसोर्टियम जैसे जैव उर्वरकों के उपयोग की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री तोषण कुमार ठाकुर ने किसानों को डीएपी एवं यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, टीएसपी, एसएसपी एवं एनपीके कंसोर्टियम के समन्वित उपयोग की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संतुलित एवं वैज्ञानिक खेती अपनाकर किसान उत्पादन लागत कम करने के साथ बेहतर उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकते हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बेमेतरा। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में कचरा फेंकना एवं कचरा जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को 1 अप्रैल 2026 से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में लागू किया गया है। नियमों के अनुसार प्रत्येक घर, दुकान एवं संस्थान में कचरे के पृथक्करण हेतु अलग-अलग डस्टबिन रखना अनिवार्य किया गया है।

अलग-अलग डस्टबिन में होगा कचरे का पृथक्करण

निर्धारित व्यवस्था के अनुसार हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, लाल डस्टबिन में सेनेटरी अपशिष्ट तथा बैंगनी डस्टबिन में ई-वेस्ट एवं बैटरी जैसे अपशिष्टों का संग्रहण किया जाएगा।बैठक में कहा गया कि इस व्यवस्था से कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन एवं पृथक्करण कार्य को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा तथा पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध, नियमों के शत-प्रतिशत पालन के निर्देश

गांवों में नियमित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के निर्देश

बैठक में ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए कि गांवों में नियमित रूप से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कराया जाए तथा कहीं भी खुले में कचरे का ढेर नहीं रहने दिया जाए। पुराने कचरे के ढेरों की सफाई के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाएंगे इसके साथ ही ऐसे बड़े संस्थान एवं भवन, जहां अधिक मात्रा में प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट उत्पन्न होते हैं, वहां भी डस्टबिन की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नियमों के उलंघन पर होगी कार्रवाई

बैठक में स्पष्ट किया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। नियमों का उलंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा इसकी नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर

ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शिकायत पंजी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराकर आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम निर्माण के उद्देश्य से सभी ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा तथा स्वच्छता को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

अवैध रेत परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 4 वाहन जप्त

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज अमले की सख्त कार्रवाई, 1.22 लाख रुपये अर्थदण्ड प्रस्तावित

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने हेतु कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 20 मई 2026 को खनिज अमले द्वारा बेमेतरा क्षेत्र में विशेष जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते हुए 04 वाहनों को पकड़ा गया।खनिज विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों को जप्त कर थाना बेमेतरा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया है। जांच के दौरान वाहनों के पास वैध दस्तावेज एवं परिवहन संबंधी अनुमति नहीं पाई गई, जिसके चलते अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में कुल 1 लाख 22 हजार रुपये की अर्थदण्ड राशि निर्धारित कर प्रशमन की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं शासन को राजस्व क्षति से बचाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है।

खनिज विभाग ने वाहन संचालकों एवं संबंधित कारोबारियों से अपील की है कि वे खनिज परिवहन संबंधी सभी नियमों का पालन करें तथा वैध अनुमति एवं दस्तावेजों के साथ ही परिवहन कार्य करें, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ व्यापारियों का विरोध, नगर के सभी मेडिकल स्टोर रहे बंद

ई-फार्मेसी और ऑनलाइन दवाओं पर भारी डिस्काउंट के विरोध में छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर संगठन के आह्वान पर बंद का व्यापक असर

थान खमरिया । ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी के माध्यम से भारी छूट देकर दवाइयों की बिक्री के विरोध में बुधवार को नगर के सभी मेडिकल स्टोर पूर्णतः बंद रहे। छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर संगठन के तत्वावधान में सुबह 7 बजे से रात तक मेडिकल दुकानों का बंद रखा गया, जिसका नगर में व्यापक असर देखने को मिला।

बंद के चलते मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयों के लिए परेशान होना पड़ा। नगर के अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहने से लोगों को आवश्यक दवाएं लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

नवीन मेडिकल संचालक नवीन अग्रवाल ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से बिना उचित नियमों और निगरानी के दवाइयों की बिक्री की जा रही है, जिससे स्थानीय दवा व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ई-फार्मेसी के जरिए दवाओं पर भारी डिस्काउंट देकर ग्राहकों को आकर्षित किया जा रहा है, जिससे छोटे केमिस्टों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है। बिना वैध और सत्यापित पर्ची के दवाओं की बिक्री होने से गलत दवाइयों के उपयोग की आशंका बढ़ रही है, जो आम लोगों की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

व्यापारियों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर कठोर कार्रवाई करने तथा बिना वैध चिकित्सकीय पर्ची के दवाओं की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

बिजली समस्या से कब मिलेगी निजात, नगरवासी परेशान

बार-बार ट्रिपिंग, लो वोल्टेज और लंबी कटौती से बढ़ा लोगों का आक्रोश

थान खमरिया । थान खमरिया नगर में बिजली व्यवस्था दिनोंदिन बदहाल होती जा रही है। लगातार बिजली कटौती, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से नगरवासी परेशान हैं। भीषण गर्मी के बीच बिजली की आंख-मिचौली ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

नगर में स्थिति यह है कि हर आधे घंटे में बिजली बंद और चालू होना आम बात बन गई है। प्रतिदिन 15 से 20 बार बिजली ट्रिप होने से आमजन के साथ व्यापारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली कटौती के संबंध में विभाग के अधिकारी भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। कभी ट्रांसफार्मर खराब होने, कभी तार की कमी, मेंटेनेंस कार्य या सब स्टेशन में खराबी का हवाला देकर समस्या को टाल दिया जाता है। जबकि वर्तमान में तेज आंधी-बारिश जैसी कोई स्थिति भी नहीं है।

व्यापारियों ने बताया कि समय पर बिजली नहीं मिलने से व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लगातार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो रहे हैं। इनवर्टर भी जवाब देने लगे हैं। गर्मी के मौसम में कूलर और पंखों का सही ढंग से नहीं चल पाना लोगों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

नगरवासियों का कहना है कि गर्मी बढ़ते ही बिजली का लोड बढ़ गया है, जिसे संभालने में ट्रांसफार्मर और बिजली घरों की मशीनें नाकाम साबित हो रही हैं। इसके कारण दिनभर लोगों को गर्मी में परेशान होना पड़ रहा है।

विद्युत उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर भी व्यवस्था संवेदनहीन बनी हुई है। अधिकारियों द्वारा फोन नहीं उठाने और समस्या का समाधान नहीं करने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि नगर में बिजली संकट का मुख्य कारण विभागीय लापरवाही और अधिकारियों की उदासीनता है।

नगर की बिजली समस्या को लेकर एन.के. गुप्ता, सहायक अभियंता उप संभाग साजा से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि थान खमरिया की विद्युत समस्या से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है तथा शीघ्र ही नगरवासियों को इस समस्या से राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

डॉ. इन्द्राणी साहू साँची की सातवीं एकल कृति का हुआ विमोचन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर की साहित्यकार डॉ. इन्द्राणी साहू साँची की सातवीं एकल कृति साँची-सुषमा ,कुण्डलिया-कुसुम का विमोचन एक गरिमामय साहित्यिक कार्यक्रम में हुआ। वृंदावन हॉल में आयोजित छन्द के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि प्रभात मिश्रा अध्यक्ष छ. ग. राजभाषा आयोग, अध्यक्षता अशोक तिवारी प्रोफेसर सी.वी.रमन विश्विद्यालय बिलासपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधीर शर्मा वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रकाशक, डॉ. सरला शर्मा वरिष्ठ साहित्यकार दुर्ग, सपना निगम वरिष्ठ साहित्यकार दुर्ग थे। छन्द के के संस्थापक अरुण कुमार निगम के संयोजन में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ी भाषा की 6 छन्दबद्ध कृतियों का विमोचन हुआ। रचनाकारों को छत्तीसगढ़ी छन्द रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। विमोचन कार्यक्रम में 22 जिलों से सैकड़ों साहित्यकार उपस्थित थे। कार्यक्रम में बलौदाबाजार जिले से 20 छन्दकार शामिल हुए। कृति के विमोचन पर दुर्गा प्रसाद साहू, परिवार जनों, इष्टमित्रों एवं साहित्य संस्था अभिव्यक्ति से बलदेव भारती, नरेंद्र वर्मा, अजय अमृतांशु, रघुनाथ प्रसाद पटेल, मुकेश शर्मा, कन्हैया साहू अमित, जगदीश साहू, कन्हैया श्रीवास, हेमंत दास मानिकपुरी, डॉ. सीमा अवस्थी, मनीष तिवारी, हेतराम कुर्रे, चन्द्रकिरण शर्मा, वंदना गोपाल शैली, निवेदिता वर्मा आदि साहित्यकारों ने डॉ. इन्द्राणी साहू साँची को बधाई देते हुए कहा है कि निश्चित ही यह कुण्डलिया संग्रह विद्यार्थियों और साहित्यकारों के लिए उपयोगी साबित होगी।।

संयुक्त टीम ने पेट्रोल पम्प का किया निरीक्षण,नियमों का सख्ती से पालन के निर्देश

भाटापारा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में पेट्रोल एवं डीजल की निर्बाध आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चत करने हेतु राजस्व व खाद्य विभाग के टीम द्वारा पेट्रोल पम्प का निरीक्षण किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत स्वास्तिक कंपनी,श्याम ऑटोज, राधेश्याम फ्यूल्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंप संचालकों और उसके कर्मचारियों को पेट्रोल,डीजल नियमानुसार वाहनों मे देने व निर्देशो का सख्ती से पालन करने हिदायत दिया गया। उपस्थित उपज़ेक्ताओं को अवगत कराया गया कि पेट्रोल डीजल के नियमित और पर्याप्त आपूर्ति हो रही है। आपूर्ति मे कोई दिक्कत नही होने के संबंध मे आमजनों को जानकारी दिया गया और अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही गई। जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी एवं पेट्रोल-डीजल की जिले में निर्बाध आपूर्ति व वितरण व्यवस्था हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि उपज़ेक्ताओं को कोई दिक्कत न हो।

छेड़छाड़ के आरोपी को 5 वर्ष की सजा

भाटापारा। कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी आरोपी पी. नितीश राव को एक नाबालिग पीड़िता के लज्जा भंग करने के आशय से छेड़छाड़ के अपराध में अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा सतीश कुमार जायसवाल ने 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं आर्थिक दण्ड से दंडित किया है। विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने इस प्रकरण के बारे मे बताया की पीड़ित के पिता द्वारा थाना मे उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि 8 अप्रैल 2025 को दोपहर 13.40 बजे उसकी नाबालिग पुत्री जिसकी उम्र 10 साल है वह सायकल से सामान खरीदने जा रही थी तभी आरोपी पी. नितीश राव गार्ड रूम के पास उसे बुलाकर अपने गोद में बैठाकर गलत नीयत से किस कर बेडटच करते हुवे छेड़खानी करने लगा। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी उपरांत संपूर्ण विवेचना पश्चात प्रकरण न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय के समक्ष गवाही पूर्ण होने पर विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने अंतिम तर्क में प्रकरण की समस्त परिस्थितियों एवं कानूनी पहलुओं को विस्तार से न्यायालय के समक्ष रखा तथा ऐसे अपराध के लिए आरोपी को कठोर दंड दिये जाने का निवेदन किया ताकि कोई भी इस प्रकार नाबालिकों के साथ छेड़छाड़ जैसा अपराध न करें। अपर सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार जायसवाल द्वारा प्रकरण की गंभीरता, अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों का परिशीलन करते हुए आरोपी पी. नितीश राव को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण की पैरवी विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी द्वारा किया गया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध, नियमों के शत-प्रतिशत पालन के निर्देश

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में कचरा फेंकना एवं कचरा जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को 1 अप्रैल 2026 से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में लागू किया गया है। नियमों के अनुसार प्रत्येक घर, दुकान एवं संस्थान में कचरे के पृथक्करण हेतु अलग-अलग डस्टबिन रखना अनिवार्य किया गया है।

अलग-अलग डस्टबिन में होगा कचरे का पृथक्क रण

निर्धारित व्यवस्था के अनुसार हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, लाल डस्टबिन में सेनेटरी अपशिष्ट तथा बैंगनी डस्टबिन में ई-वेस्ट एवं बैटरी जैसे अपशिष्टों का संग्रहण किया जाएगा बैठक में कहा गया कि इस व्यवस्था से कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन एवं पृथक्करण कार्य को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा तथा पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

गांवों में नियमित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के निर्देश

बैठक में ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए कि गांवों में नियमित रूप से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कराया जाए तथा कहीं भी खुले में कचरे का ढेर नहीं रहने दिया जाए। पुराने कचरे के ढेरों की सफाई के लिए विशेष अभियान संचालित किए जाएंगे इसके साथ ही ऐसे बड़े संस्थान एवं भवन, जहां अधिक मात्रा में प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट उत्पन्न होते हैं, वहां भी डस्टबिन की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

बैठक में स्पष्ट किया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा इसकी नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर

ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शिकायत पंजी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराकर आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम निर्माण के उद्देश्य से सभी ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा तथा स्वच्छता को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

सुशासन तिहार 2026

कटई में लगा जन समस्या निवारण शिविर, विभिन्न योजनाओं से हितग्राही हुए लाभान्वित

जनता से सीधा संवाद कर मंत्री ने कहा – शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत कटई स्थित शासकीय हाई स्कूल मैदान परिसर में आज विशाल जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में आयोजित शिविर में आम नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों में शिविर को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ भी प्रदान किया गया।

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर में खाद्य विभाग, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। खाद्य विभाग द्वारा पात्र परिवारों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ प्राप्त हो सकेगा। पंचायत विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को उनके नए आवास की चाबियां सौंपी गईं। अपने पक्के घर की चाबी पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किए गए, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नोनी सुरक्षा योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत बालिकाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया गया 7 प्रधानमंत्री वय वंदन योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक संबल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, प्रोत्साहन राशि देकर बढ़ाया उत्साह

शिविर के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का भी विशेष सम्मान किया गया। कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10 मेधावी विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चे निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और शासन उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम कर जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने शासन द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने की पहल की सराहना की।

> **अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश, समस्याओं के त्वरित निराकरण पर दिया जोर**
>
> **मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर बढ़ाया उत्साह**

जनता से सीधा संवाद, आवेदन देने के लिए किया प्रेरित

मंत्री दयाल दास बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों का जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को अपनी समस्याएं एवं मांगें लिखित आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का सत्यापन एवं निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश

प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर त्वरित और प्रभावी कार्य सुनिश्चित करें उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें।

सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की दी जानकारी

अपने उद्बोधन में मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण एवं गरीब वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना की गड़बड़ियों को दूर कर प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 लाख आवास निर्माण का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा सके। किसानों को धान का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। मंत्री श्री बघेल ने महतारी वंदन योजना, आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज, राशन कार्ड निर्माण, तीन माह का चावल एक साथ वितरण, सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, समस्याओं का हुआ निराकरण

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली, पेयजल, नामांतरण, सीमांकन एवं कृषि संबंधी समस्याओं को लेकर पहुंचे। मंत्री श्री बघेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को पात्रता अनुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाए रखने तथा बिजली कटौती की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, सरपंचगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बालको का 'ब्लैक मेज़', महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

बालको की प्रोजेक्ट उन्नति से जुड़कर 6000 से अधिक महिलाएं लिख रही हैं आर्थिक आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका की नई कहानी

बालकोनगर । बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेश कुमार सिंह ने बालकोनगर में 'ब्लैक मेज़' का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट उन्नति की महिलाओं द्वारा संचालित यह फाइन डाइनिंग कैफे महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और सामुदायिक विकास का सशक्त प्रतीक है। ताज़ा पकवानों की मनमोहक खुशबू, सलीके से सजा आकर्षक वातावरण और मेहमानों का आत्मीय स्वागत करती महिलाओं का आत्मविश्वास इसकी सफलता और परिवर्तन की कहानी है।

बालको की प्रमुख महिला सशक्तिकरण पहल 'प्रोजेक्ट उन्नति' की महिलाओं द्वारा संचालित 'ब्लैक मेज़' उस यात्रा का नया अध्याय है, जिसकी शुरुआत कभी 'उन्नति चौपाल' के रूप में हुई थी। चाट-पकौड़ी और स्थानीय व्यंजन परोसने वाला एक छोटा फास्ट-फूड केंद्र आज 50 से अधिक लोगों की बैठने की क्षमता वाले आधुनिक फाइन डाइनिंग कैफे में परिवर्तित हो चुका है। निजी आयोजनों और विशेष अवसरों के लिए तैयार इसका विशेष डाइनिंग स्पेस इसकी भव्यता को और बढ़ाता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा, बालको समुदाय, विशेषकर महिलाओं के लिए ऐसे अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनकी आजीविका क्षमता और सम्मान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारे आसपास के क्षेत्रों की 6,000 से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भरता और अपने परिवारों के दीर्घकालिक विकास की दिशा में आत्मविश्वास से कदम बढ़ा रही हैं। मुझे विश्वास है कि 'ब्लैक मेज़' की यह पहल और अधिक महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी सफलता की नई कहानी लिखने के लिए प्रेरित करेगी।

'ब्लैक मेज़' की सबसे बड़ी पहचान हर परोसे गए भोजन के पीछे छिपी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास की कहानी है। इसके केंद्र में हैं स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की वे महिलाएं, जिन्होंने कभी स्वयं को केवल गृहिणी के रूप में देखा था। प्रोजेक्ट उन्नति के माध्यम से उन्हें व्यंजन कला, आतिथ्य सेवा, ग्राहक प्रबंधन, उद्यमिता और खाद्य गुणवत्ता जैसे क्षेत्रों में सुनियोजित प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण ने न केवल उनके कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास भी दिया।

उन्नति समूह की सदस्य निर्मला देशमुख ने कहा कि मैंने लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। 2022 में उन्नति से जुड़ने के बाद चार वर्षों में मैंने अपने भीतर और अपनी साथी बहनों में जो बदलाव देखा है, वह अविश्वसनीय है। हमारे पास हुनर था, लेकिन बालको के सहयोग ने हमें उसे बड़े मंच पर पहचान दिलाई।

समूह की एक अन्य सदस्य भारती ने मुस्कुराते हुए कहा कि मेरी बेटी ने पूछा कि अब क्या घर पर मेरे हाथ का स्वाद मिलेगा या उसे 'ब्लैक मेज़' आना पड़ेगा। उस पल मुझे अपनी उपलब्धि का एहसास हुआ। प्रोजेक्ट उन्नति ने मुझे अपनी प्रतिभा को निखारने और पहचान बनाने का ऐसा मंच दिया है, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

'ब्लैक मेज़' का डाइनिंग स्पेस भी अपने आप में खास अनुभव प्रदान करता है। यहां के मेन्यू छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों, उत्तर भारतीय स्वाद, चाइनीज़ पकवानों और लोकप्रिय फास्ट-फूड का अनूठा संगम स्थानीय संस्कृति और आधुनिकता को एक साथ प्रस्तुत करता है।

कोरबा से आए एक ग्राहक ने कहा कि ब्लैक मेज़ का वातावरण बेहद आकर्षक है। यहां भोजन और कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

वर्षों से प्रोजेक्ट उन्नति ने 560 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाते हुए आर्थिक आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका के अवसर विकसित किए हैं। आज इन समूहों से जुड़ी 6,000 से अधिक महिलाएं, उन्नति महासंघ (यूएमएस) के माध्यम से संचालित विभिन्न सूक्ष्म और लघु उद्यमों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। 'ब्लैक मेज़' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि महिलाओं द्वारा संचालित सतत उद्यमिता का प्रेरक मॉडल है, जो आजीविका सृजन के साथ आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गौरव को नई ऊंचाइयां देता है। बालको की यह पहल उस भविष्य की ओर संकेत करती है, जहां महिलाएं विकास की सहभागी ही नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली नेतृत्वकर्ता बनकर उभर रही हैं।

शिवरतन शर्मा ने बास्केट बॉल ग्राउंड निर्माण का भूमिपूजन किया

भाटापारा। स्थानीय स्वर्गीय इतवारी राम हायर सेकण्डरी स्कूल प्रांगण में लगभग 16 लाख रूपयें की लागत से बनने वाले अतिरिक्त कक्ष एवं बास्केट बॉल ग्राउंड निर्माण का भूमि पूजन वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने किया ।उक्त अवसर पर उन्होने कहा कि प्रदेश की विष्णु देव सरकार के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास के कार्य तीव्र गति से कराये जा रहे है। इसी तारतम्य में भाटापारा क्षेत्र में शिक्षा , खेल कू द एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए काम हो रहे है। उक्त अवसर पर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक क्षेत्र मे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ खेलकूद में पर्याप्त अवसर देने के उद्देश्य से बेहतर वातावरण व सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। शिवरतन शर्मा ने शक्ति वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण का भी भूमि पूजन किया। उपरोक्त अवसर पर शर्मा ने कहा कि 10 लाख रूपयें की लागत से बनने वाले सांस्कृतिक भवन से वार्ड में होने वाले सभी प्रकार के कार्यो के लिए दुसरे स्थान पर अब वार्ड वासियों को जाना नही पड़ेगा । उपरोक्त अवसर पर बाल गोविंद पटेल, मनीष मिश्रा , सतीश तलरेजा , सतीश साहू , बब्बु मंधान , भुवन सिंग ठाकुर , शुभम राजपुत , आयेशा खान , नीरा साहू, राजकुमार मल , गिरीश वाढेर , आलोक गुप्ता, याशमिन अफरोज , प्रतीमा अवस्थी , रूपेश माखिजा , समी अहमद , रवि गुप्ता , शरद पंसारी , अमित तिवारी, निर्मल जांगड़े , संजय शुक्ला , राहुल बघेल, लिकेश साहू;, सहित बड़ी तादाद में अन्य लोग मौजुद थे।

'नव दिशा 2026' को लेकर माहेश्वरी समाज में अभूतपूर्व उत्साह, रायपुर में जुटेगी सामाजिक चेतना की नई ऊर्जा

साजा। छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे बहुप्रतीक्षित प्रांतीय आयोजन 'नव दिशा 2026' को लेकर समाजजनों में जबरदस्त उत्साह और उमंग का वातावरण निर्मित हो गया है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगातार मिल रहे पंजीयन, सहभागिता और सकारात्मक प्रतिसाद ने आयोजन को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रदेश माहेश्वरी सभा से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी एवं आयोजन समन्वयक नन्द किशोर राठी ने समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं वरिष्ठजनों से पूरे उत्साह के साथ आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'नव दिशा 2026' समाज के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, वैचारिक समृद्धि और संगठनात्मक मजबूती का सशक्त मंच बनने जा रहा है। यह आयोजन समाज को नई सोच, नई प्रेरणा और भविष्य की नई दिशा प्रदान करेगा।

उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस विशेष आयोजन में देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित वक्ता, शिक्षाविद, समाजसेवी एवं प्रखर चिंतक विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, संस्कार, युवा नेतृत्व, सामाजिक एकता, संगठन विस्तार, पारिवारिक मूल्यों एवं बदलते सामाजिक परिवेश जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा होगी। इससे समाजजनों को नई जानकारियां प्राप्त होने के साथ-साथ अनुभवों के आदान-प्रदान का भी अवसर मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित और जागरूक बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है तथा 'नव दिशा 2026' इसी उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। यह आयोजन समाज के लोगों को एक सूत्र में जोड़ने, आपसी संबंधों को मजबूत करने तथा युवा पीढ़ी को सकारात्मक एवं रचनात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ 23 मई को प्रात: 10 बजे रायपुर में भव्य रूप से किया जाएगा। आयोजन की सफलता को लेकर विभिन्न समितियां निरंतर सक्रिय होकर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। समाजजनों में आयोजन को लेकर विशेष उत्सुकता देखी जा रही है तथा इसे यादगार बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां जारी हैं। अंत में उन्होंने 'जय महेश' के उद्घोष के साथ सभी समाजजनों से समय पर उपस्थित होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने एवं इसे ऐतिहासिक बनाने का आग्रह किया।

अजीम-ओ-शान कव्वाली का आयोजन 2 जून को, नगर में गूंजेंगे सूफियाना कलाम

एकता उर्स पाक कमेटी 2026 के तत्वावधान में होगा भव्य आयोजन, तैयारियों में जुटे समिति सदस्य

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नगर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी एकता उर्स पाक कमेटी 2026 के तत्वावधान में अजीम-ओ-शान सूफियाना कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन नगर की गंगा-जमुनी तहजीब और मिली-जुली संस्कृति का प्रमुख आकर्षण माना जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग शामिल होते हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत देश के प्रसिद्ध कव्वालों द्वारा सूफियाना कलाम, गजल एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 2 जून मंगलवार की रात 10 बजे से अंतरराष्ट्रीय टीवी ऑडियो-वीडियो कलाकार एवं गजल गायक जुनैद सुल्तानी बदायूं-मुंबई द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी।

कार्यक्रम की शुरुआत 1 जून सोमवार को सुबह 7 बजे आतिशबाजी के साथ परचम कुशाई से होगी। इसके पश्चात सुबह 8 बजे गुस्ल एवं आम लंगर का आयोजन किया जाएगा। वहीं 2 जून मंगलवार शाम 7 बजे बाबा अशरफ खान जमुनिया की जानिब से कुरआनखानी एवं फातिहा होगी। 3 जून बुधवार सुबह 6 बजे कुल की रस्म अदा की जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन माननीय रविंद्र चौबे होंगे। विशेष अतिथि के रूप में तुकाराम चंद्रवंशी प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस पंडरिया उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि अन्नपूर्णा रामगोपाल चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य कबीरधाम रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकता उर्स पाक कमेटी एवं नगर पंचायत पार्षद वार्ड क्रमांक 14 के श्री वीरेंद्र सिन्हा करेंगे।

कार्यक्रम में संरक्षक माननीय श्री राजेश सिंह ठाकुर, अध्यक्ष राजपूत क्षत्रिय उप समिति, सुरेश सिंघानिया, समाजसेवी नारायण केड़िया, पत्रकार अनिल सिंघानिया, सुनील वर्मा, करीम बैग, बाबा अशरफ, इदरीश भाई, रईस बेग, मिर्जा असलम एवं संदीप वर्मा के सानिध्य में आयोजन संपन्न होगा।

नगर के गणमान्य नागरिकों एवं आसपास के ग्रामीण अंचल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एकता उर्स पाक कमेटी के सदस्य जोर-शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

इस संबंध में जानकारी सैय्यद आतिफ अली द्वारा दी गई।

"चिरायु" योजना से बेमेतरा के सैकड़ों बच्चों को मिला नया जीवन, हृदय रोग से ग्रसित 6 गंभीर रोगियों का राज्य से बाहर नि :शुल्क इलाज

बेमेतरा । स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम "चिरायु" योजना के माध्यम से बेमेतरा जिले में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, बीमारियों की प्रारंभिक पहचान एवं नि:शुल्क उपचार कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यर्‍ म प्रबंधक सुश्री लता बंजारे के सर्‍ यता में सतत रूप से किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बेमेतरा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में "4D" अर्थात जन्मजात दोष (Defects at Birth), बीमारी (Diseases), पोषण संबंधी कमियों (Deficiencies) और विकासात्मक समस्याओं एवं विकलांगता (Developmental Delays & Disabilities) की समय पर पहचान कर समुचित उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराना है।

भास्कर यादव पिता अनिल यादव ग्राम करनजिया क्लबफुट सफ़लतापूर्वक ईलाज जिला अस्पताल पंडरी

जिले में 9 चिरायु दलों का संचालन सहायक जिला नोडल अधिकारी डॉ ऋषभ शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में बेमेतरा जिले में कुल 9 चिरायु दल प्रत्येक विकासखण्ड में दो एवं शहरी क्षेत्र में एक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक दल में 1 पुरुष चिकित्सक, 1 महिला चिकित्सक, 1 फार्मासिस्ट तथा 1 ए.एन.एम. सम्मिलित हैं। इन प्रशिक्षित मोबाइल हेल्थ टीमों द्वारा प्रतिवर्ष जिले के 1300 शासकीय विद्यालयों के 1लाख 45 हजार विद्यार्थियों एवं 1200 आंगनबाड़ी केंद्रों के 61 हजार 311 बच्चों में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

दो वर्षों में 163 बच्चों को मिला लाभ

चिराय‍ु दलों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	बीमारी/जन्मजात दोष	सत्र 2024–25	स त्र ा 2025–26
1	कटे–फटे होंठ एवं तालु	15	– 7
2	मुड़े हुए पैर	13 –	3
3	जन्मजात मोतियाबिंद	4 –	6
4	जन्मजात बधिरता	7 –	4
5	जन्मजात हृदय रोग	60	– 43
6	न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट	–	1
	कुल	*99*	*64*

गंभीर रोगियों का राज्य से बाहर निःशुल्क इलाज

जटिल जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित कुल 06 बच्चों का इलाज राज्य शासन एवं राज्य नोडल एजेंसी के माध्यम से राशि स्वीकृत कराकर राज्य से बाहर के उच्च स्तरीय अस्पतालों में करवाया गया है।

प्रमुख सफल प्रकरण:

1. कमल वर्मा, उम्र 15 वर्ष, ग्राम मंजगांव, जटिल जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित था। बच्चे का इलाज अपोलो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, चेन्नई में करवाया गया, जिसके लिए दो चरणों में लगभग 8 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई।
2. लक्ष्मी साहू, उम्र 14 वर्ष, ग्राम पेंड्रीतराई, जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित थी। बच्ची का सफल इलाज बालाजी हॉस्पिटल, रायपुर में करवाया गया।
3. चिरायु योजना के माध्यम से जन्मजात बधिरता के 3 बच्चों कंचन वर्मा निवासी – भैंसा (बेमेतरा), रिहान सिंह निवासी – दोहतरा (नवागढ़) और पांशुल शर्मा निवासी – सांकरा (बेरला) का कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक एम्स रायपुर में करवाया गया।
4. युभांश वर्मा, उम्र 4.5 माह, सुवरतला, जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित था। बच्चे का इलाज राज्य से बाहर करवाया गया, जिसके लिए 6.5 लाख रुपये तक की राशि स्वीकृत की गई।

सीएमएचओ बेमेतरा ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि उनके आसपास 0 से 18 वर्ष तक का कोई बच्चा जन्मजात रोग या विकृति से ग्रसित है तो वे निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या चिरायु दल से संपर्क कर नि:शुल्क जांच एवं उपचार का लाभ लें।

लूभांश वर्मा, उम्र 4.5 माह, सुवरतला, जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित था। बच्चे का इलाज राज्य से बाहर करवाया गया

लक्ष्मी साहू, उम्र 14 वर्ष, ग्राम पेंड्रीतरई, जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित थी। बच्ची का सफल इलाज बालाजी हॉस्पिटल, रायपुर में करवाया गया।

कंचन वर्मा पिता कमलेश वर्मा ग्राम - भैसा बेमेतरा जन्मजात बाधिरता चिरायु योजना के माध्यम से ऐम्स रायपुर कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी 23अप्रैल 2026 को करवाया गया

पांशुल शर्मा ग्राम संकरा बेरला जन्मजात बधिरता रोग का सफलतापुर्वक कॉकलियर इम्प्लांट एम्स हॉस्पिटल रायपुर

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

हाई स्कूल परीक्षा में 95.17 प्रतिशत अंक हासिल कर नमन साहू ने जिले में प्राप्त किया तृतीय स्थान

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। पंडरिया विधायक आदरणीया श्रीमती भावना बोहरा द्वारा कनक भवन पंडरिया में आयोजित गरिमामयी समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शासकीय हाई स्कूल गौरमाटी के छात्र नमन साहू को

विशेष रूप से सम्मानित किया गया। नमन साहू ने हाई स्कूल परीक्षा में 95.17 प्रतिशत अंक अर्जित कर कबीरधाम जिले में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

समारोह में विधायक भावना बोहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और लगन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

नमन साहू की इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य कृष्ण कुमार वर्मा, व्याख्याता श्रीमती सरोज बाला बनाफर, दिनेश सोनी, एस. कुमार मिर्चे, कीर्तन प्रसाद शुक्ला, जयप्रकाश साहू, मनीष वर्मा, अंकित साहू सहित शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शहर में आंधी तूफान ने मचाया कोहराम , जगह जगह पेड़ गिरे

विद्युत गुल की समस्या से लोग हलाकान

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में इन दिनों विद्युत आपूर्ति व्यवस्था लगातार बाधित होने से नागरिक हलाकान है जब चाहे तब विद्युत का गुल हो जाना आम बात बन गई है जिससे गर्मी में परेशान आम नागरिक के साथ साथ विद्युत के सहारे चलने वाले तमाम पोहा उद्योग , दाल मिल , राईस मिल के कार्यो में भी लगातार बाधा उत्पन्न हो रहा है। इसके पहले विद्युत प्रदाय की ऐसी दुर्गती नही हुई थी । इस बीच लगातार क्षेत्र में आंधी तूफान के साथ हल्की बारिश के कारण जगह जगह पेड़ गिरने बिजली खंभा गिरने , ट्रांसफार्मर को क्षति पहुंचने के कारण संपूर्ण शहर व क्षेत्र में लोग विद्युत प्रदाय व्यवस्था के बाधित हो जाने से हलाकान है । तेज आंधी तूफान के कारण गौरवपथ के मुख्य मार्ग पर अनेक पेड़ जहां औधेंमुंह सड़क पर गिर गये है वहीं पुराने वृक्ष भी आंधी की चपेट में आकर अपना अस्तित्व खो चुके है । कुल मिलाकर आंधी तूफान ने शहरवासियों को परेशान कर रखा है आये दिन किसी भी वक्त बिजली गुल होने की समस्या से पेयजल व्यवस्था पर भी असर पड़ा है। जहां शहर में नलजल की सप्लाई बाधित हुई है वहीं टैंकर के माध्यम से जल सप्लाई में भी विद्युत गुल के कारण प्रभाव पड़ा है। फलस्वरूप आम नागरिक एक ओर जहां विद्युत गुल से बेचैनी महसुस कर रहे है वहीं दुसरी ओर पेयजल संकट की दोहरी मार से भी जूझ रहे है। आंधी तूफान के प्रारंभिक दौर में ही विद्युत बंद हो जाना रोज का तमाशा बन गया है। इस बीच आंधी तूफान से शहर के चारो तरफ पेड़ पौधे के गिरने एवं कचरा फैलने के साथ साथ अनेक बड़े वृक्ष के जगह जगह गिरने से लोग परेशान है । अनेक स्थानों पर तो टीन टप्पर व कवेलुपोश मकान भी ढह गये है जिससे अति गरिब वर्ग के लोगो को परेशानियों से जुझना पड़ रहा है। विद्युत कार्यालय के भवन पर भी एक विशालकाय वृक्ष आंधी तूफान में गिर गया है।

भाटापारा रेलवे स्टेशन में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान अनेक लोग सपड़ाये

2 लाख रूपयें से अधिक का जुर्माना वसुल किया गया

भाटापारा। दक्षिण मध्य पूर्व रेलवे रायपुर के डिवीजन में पदस्त वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर भाटापारा रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें भाटापारा रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वाले लगभग 193 यात्री पकड़े गए, जिससे 1,56,025/- रूपयें का राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 91 यात्रियों से 48, 895/- रुपए राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 21 यात्रियों से 2100/- रुपए राजस्व प्राप्त हुआ और रेलवे स्टेशन पर कचरा फैलाने वाले 37 यात्रियों से 3700/- रुपए राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे के उक्त आकाष्मिक किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 342 मामलों को दर्ज कर 2,07, 720 रुपये पेनाल्टी वसुल कर रेलवे को अतिरिक्त र राजस्व प्राप्त हुआ। इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था । उक्त टिकट चेकिंग अभियान का संचालन सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद के द्वारा एवं 01 मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, 01वाणिज्य निरीक्षक, 16टिकट चेकिंग स्टाफ, 02 आरपीएफ स्टाफ शामिल थे। रेल प्रशासन ने आगे भी इस प्रकार के अभियान को जारी रखने की बात कही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी में नर्स दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

भाटापारा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नरसिंह विहार कालोनी , भाग्य विधाता भवन में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस राजयोग शिक्षिका बी.के.मंजू दीदी एवं नर्सो की उपस्थिति में मनाया गया । बी.के. मंजू दीदी ने अपने उद्गार के माध्यम से चिकित्सा जगत में मूल्यों को आत्मसात करने पर बल दिया । उन्होंने नर्स को करूणा, ममता,त्याग का दूसरा रूप बताया साथ ही अपनी सेवा भाव से दुआएं कमाते हुए मुस्कान से मरीजों के दर्द को कम कर सकती है। शरीर के साथ-साथ मन और आत्मा को शक्ति देने के लिए मेडिटेशन करना आवश्यक है । जिससे पांच ईंद्रियों पर नियंत्रण होता है। दिव्य गुणों की प्राप्ति होती है एवं अच्छे कार्य करने के लिए अपनी अतिरिक्त बोझ परमात्मा को दे देवें और अपनी शक्ति का भी विस्तार करें ।आज मरीजों के साथ-साथ स्वयं का देखभाल करना भी जरूरी है । बी.के.मंजू दीदी एवं बी.के.प्रभा दीदी के द्वारा ईश्वरीय सौगात एवं ब्लेसिंग कार्ड प्रदान कर नर्सों को सम्मानित किया गया ।

पौंसरी के ट्रांसफार्मर में आगजनी से दहशत

भाटापारा। शहर से 10 किलोमीटर दुर धुर्राबांधा के आगे स्थित गांव पौंसरी में भीषण गर्मी के चलते दोपहर को विद्युत आपूर्ति करने वाले मेन लाईन ट्रांसफार्मर में अचानक से बड़ा ब्लास्ट हुआ और संपूर्ण ट्रांसफार्मर धमाके के साथ आगजनी का शिकार हो गया। संयोग से उस वक्त ट्रांसफार्मर के आस पास कोई नही था अन्यथा गंभीर हादसा से जनहानी होने की संभावना थी।

अवैध शराब के साथ ग्रामीण युवक को पुलिस ने दबोचा

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध कारोबार में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में सुरखी रोड विद्युत कार्यालय के समीप पुलिस गश्ती दल ने घेराबंदी करते हुए अवैध रूप से 40 पाव देसी मसाला शराब ले जाते हुए एक शराब कोचिया कौशल प्रसाद यदु उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम सुरखी को पकड़ा है। उसके विरूद्ध आबकारी अधिनियम 34(2)के तहत कार्यवाही की गई है।

विकास कार्यों के चलते अनेक यात्री ट्रेन रद्द रहेगी

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। दक्षिण मध्य पूर्व रेलवे के बिलासपुर रेलवे जोन में रेल उन्नयन कार्य के चलते विभिन्न तिथियों में अनेक रेलयात्री ट्रेनों को निरस्त किया गया है जिसके तहत ट्रेन क्रमांक 18109 व 18110 टाटानगर इतवारी एवं इतवारी टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन को आगामी 8 जून से 19 जून के बीच रद्द किया गया है। इसी तरह ट्रेन संख्या 13287 व 13288 आरा - दुर्ग तथा दुर्ग - आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस को 10 जून से 16 जून तक निरस्त किया गया है। ट्रेन क्रमांक 12833 व 12834 अहमदाबाद हावड़ा एवं हावड़ा - अहमदाबाद 11 से 15 जून तक रद्द रहेगी । ट्रेन क्रमांक 20813 पुरी - जोधपुर एक्सप्रेस ट्रेन 10 व 13 जून को रद्द की गई है । इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 12905 ओखा - शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन को 10 व 11 जून के लिए रद्द किया गया है। ट्रेन क्रमांक 12906 शालीमार - ओखा ट्रेन 12 व 13 जून को रद्द रहेगी। ट्रेन क्रमांक 22905 पोरबंदर - शालीमार एक्सप्रेस को 14 जून तथा 22906 शालीमार - पोरबंदर एक्सप्रेस को 16 जून के लिए रद्द किया गया है।

इसी प्रकार अनेक यात्री ट्रेनो को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। जिसमें ट्रेन संख्या 68861 गोंदिया - झारसुगड़ा जेडी पैसेंजर ट्रेन 8 जून से 19 जून तक गोंदिया से बिलासपुर तक ही चलेगी और बिलासपुर रेलवे जंक्शन से ही ट्रेन क्रमांक 68862 झारसुगड़ा - गोंदिया जेडी पैसेंजर के रूप में 8 जून से 19 जून तक चलेगी । इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 18237 कोरबा -अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 8 जून से 19 जून तक कोरबा के बजाये बिलासपुर से दोनो दिशाओं में चलेगी । इसी तरह ट्रेन क्रमांक 18518 विशाखापट्नम - कोरबा लिंक एक्सप्रेस 7 जून से 18 जून से विशाखापटनम से बिलासपुर तक चलेगी । इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 18517 कोरबा - विशाखापटनम ट्रेन 8 जून से 19 जून तक कोरबा के बजाये बिलासपुर से विशाखापटनम के लिए रवाना होगी । इसी तरह ट्रेन क्रमांक 12410 निजामुद्दीन - रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस 10 जून से 13 जून तक बिलासपुर तक चलेगी । ट्रेन क्रमांक 12409 रायगढ़ - निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस रायगढ़ के बजाय बिलासपुर से निजामुद्दीन के लिए आगामी 12 जून से 15 जून तक चलेगी। रेलवे प्रशासन ने रेल यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है ।

मेडिकल स्टोर्स के बंद रहने से मरीज आवश्यक दवाओं के लिए भटकते रहे

भाटापारा। ऑनलाईन दवाओं की बिक्री और ई - फार्मेसी के विरुद्ध ऑल इंडिया ऑर्गनाईजेशन ऑफ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स के आव्हान पर भाटापारा क्षेत्र के सैकड़ो छोटे बड़े मेडिकल स्टोर्स हड़ताल के चलते पुरी तरह बंद रहे। मेडिकल स्टोर संचालको की मेडिकल बंद के आव्हान के कारण रोगी व उनके परिजनों को आवश्यक दवा लेने के लिए इधर उधर भटकना पड़ा। मेडिकल स्टोर्स संचालकों का कहना है कि ऑनलाईन कार्पोरेट कंपनियों द्वारा दवाओं पर दिये जा रहे भारी डिस्काउंट से छोटे दुकानदारों का व्यापार खतरें में पड़ गया है। मेडिकल स्टोर्स संचालकों का कहना है कि ऑनलाईन दवा बेचने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया जाये और इनके अवैध कारोबार संचालन को बंद किया जाये । मेडिकल संचालकों का यह भी कहना है कि कोरोना क ाल के दौरान प्रभावशील कानून जीएसआर 220 को वापस लिया जायें इसके तहत नशीली दवाईयों का दुरूपयोग रोका जा सकता है । मेडिकल स्टोर्स के एक दिवसीय दवा व्यापार बंद रखने से आम नागरिक जिन्हें विभिन्न प्रकार की दवाईयों की जरूरत थी वे भटकते रहें हालांकि प्रशासन की ओर से बंद को देखते हुए आपातकालीन स्थिति में इमरजेंसी दवाओं की उपलब्धता को कुछ स्थानों पर चिन्हित कर सुनिश्चित किया गया था लेकिन पर्याप्त प्रचार प्रसार के अभाव में लोगो को दवा लेने इधर उधर भटकते हुए देखा गया।

अवमानक खाद्य पदार्थ की पुष्टि होने पर दो प्रतिष्ठानों पर 25-25 हजार रुपए अर्थदण्ड अधिरोपित

भाटापारा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा हैं। खाद्य नमूना जांच में खाद्य पदार्थ अवमानक पाए जाने पर दो फर्म पर 25 -25हजार रुपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश डेयरी एवं डेली निड्स महासती मंदिर रोड व आयुष डेयरी शक्ति वार्ड से पनीर का जांच हेतु नमूना लिया गया था उक्त दोनों फर्म से लिये गये खाद्य नमूना पनीर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के जांच प्रतिवेदन में अवमानक पाया गया था। विवेचना पूर्ण कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरणों को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। उक्त दोनों प्रकरणों में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा जन स्वास्थ को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 51 के तहत 25,000-25,000 रुपए अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा टीम जिला-बलौदाबाजार - भाटापारा द्वारा पूर्व में अन्नापूर्णा ट्रेडर्स खोखली से संग्रहित उड़द दाल अवमानक व मिथ्याछाप पाया गया है साथ ही उक्त फर्म से जांच हेतु लिया गया अपद्रव्य काला रंग स्वास्थ के लिए हानिकारक असुरक्षित घोषित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कबीर पंथियों की बैठक संपन्न

भाटापारा। कबीरपंथ के 16 वे वंशआचार्य उदित मुनि नाम साहब द्वारा स्थापित सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन के तत्वधान में तहसील स्तरीय बैठक आयोजि की गई जिसमें मुख्य रूप से कुशल साहू , जितेंद्र साहू , महंत मोहित दास , पुनेश्वरी साहू , कीर्ति साहू एवं समस्त तहसील के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिसमें मुख्य रूप से 9 जून को कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा में होने वाले वर्कशॉप में सभी प्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से किया गया एवं आईडी कार्ड वितरण सुनिश्चित किया गया नवोदय यात्रा की तैयारी के लिए निर्देश दिये गये। उक्त कार्यक्रम में संतोष कुमार साहू ,आरती साहू , हीरामणि साहू , रवि साहू , कुंभकरण पटेल ,गोपाल साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सकारात्मक पहल की दरकार

भाटापारा। राज्य के सांतवे सबसे बड़ी आबादी वाले भाटापारा नगर में यातायात व्यवस्था को दुरूस्त किये जाने की जरूरत है इसके तहत यातायात नियमों का कड़ाई से पालन जरूरी हो गया है ताकि व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकें । नगर के प्रमुख चौंक , यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किये जाने की जरुरत है ताकि व्यवस्था में सुधार हो सके व भारी वाहन एक समय विशेष पर शहर के भीतर ही आ जा सकें । उपरोक्त सभी समस्याओं को देखते हुए नगर में एक सामुहिक बैठक कर यातायात व्यवस्था को सुधारने की दिशा में सकारात्मक पहल किये जाने की जरूरत है।

कांग्रेस भवन में राजीव गांधी की शहादत पर कार्यक्रम

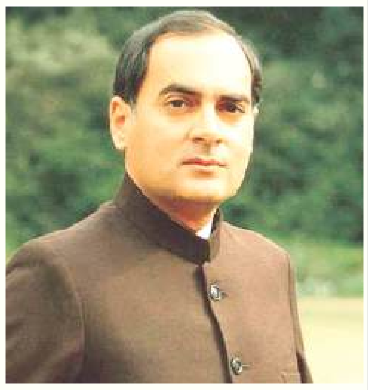

भाटापारा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुन्य तिथि पर कांग्रेस भवन में आतंकवाद विरोध दिवस के रूप में मनाने श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया है जिसके तहत 21 मई दिन गुरूवार को प्रातः 11 बजें कांग्रेस भवन में निगम मंडल आयोग के पूर्व सदस्य विभिन्न कांग्रेस प्रकोष्ठ के पदाधिकारी महिला कांग्रेस , युवा कांग्रेस , एनएसयुआई किसान कांग्रेस , मछुआरा कांग्रेस , आदिवासी कांग्रेस , अनुसुचित जाति प्रकोष्ठ , पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ , सेवा दल झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ , गोठान समिति के पूर्व सदस्य सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष राजीव गांधी युवा मितान क्लब के पूर्व सदस्य बुथ एवं सेक्टर प्रभारी , विभिन्न मंडल अध्यक्ष , पंच , सरपंच , जनपद एवं जिला पंचायत सदस्य , वार्ड पार्षद , संगठन के पूर्व पदाधिकारी , पार्षद सहित अन्य सभी कांग्रेसी उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम के दौरान भाटापारा क्षेत्र के निर्वाचित कांग्रेस के पूर्व विधायक स्वर्गी य राधेश्याम शर्मा की जयंती के अवसर पर उनको श्रद्धा सुमन भी अर्पित किया जायेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चखा बस्तर की इमली का स्वाद बोले यहां की इमली का स्वाद खट्टा नहीं बल्कि मीठा

गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का किया उद्घाटन

रायपुर । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सोमवार को बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ कैम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया । श्री अमित शाह ने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। श्री शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली में बहुत मिठास है।

समूह की श्रीमती लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रु तक आय अर्जित कर सकेंगी । गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं।

वे सेवा सेतु केंद्र पहुँचे। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी श्रीमती सुखदेवी से मिले। सुखदेवी ने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक जाना पड़ता था । अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार, आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी । सेवा सेतु केंद्र में श्रीमती सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई के वाय सी कराना चाहती थीं लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रहीं थीं। गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई के वाय सी करा लिया है । उल्लेखनीय

अब नक्सल प्रभावित नहीं रहा नेतानार.. जनता के दरवाजे तक पहुँच गयी डिजिटल सरकार

नेतानार में नागरिकों की सुविधाओं हेतु एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की ऑनलाईन सुविधाएं उपलब्ध

है कि ग्रामीण यहां पर विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन प्रमाण पत्र का लाभ ले सकेंगे । इस केंद्र में जन्म, आय , जाति आदि प्रमाण पत्र आसानी से एक ही जगह बनाये जा सकेंगे । इस केंद्र में महिलाओं को बैंक सखी का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैंक सखी के माध्यम से महिलाएं गांव में ही पैसा जमा करना, पैसा निकालना, स्व सहायता समूह के लिए खाता खोलना, के वाय सी, बैंक खाते में मोबाईल नम्बर अपडेट, एसएचजी क्रेडिट लिंकेज जैसी सुविधाएं पा सकेंगी । श्री अमित शाह ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही महिलाओं से भी मुलाकात की । यहाँ पर महिलाओं को बेसिक एवं एडवांस सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुश्री विजय कुमारी ने बताया कि यहां से सिलाई सीखने के बाद वे अच्छे से अपने परिवार का पालन पोषण कर पाएंगी। गृह मंत्री श्री अमित शाह ने धान डेकी प्रशिक्षण केंद्र में ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की । इसके माध्यम से चावल बिक्री से ग्रामीणों महिलाओं की आय वृद्धि तो होगी साथ ही निकलने वाली धान की भूसी से पशुओं को पौष्टिक आहार भी मिलेगा । इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा , मुख्य सचिव श्री विकासशील एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नाशपाती से बढ़ रही किसानों की आमदनी

3,500 से अधिक कृषक जुड़े फल उत्पादन से

3500 हेक्टेयर में हो रही नाशपाती की खेती, देश के कई राज्यों में है जशपुर की नाशपाती की मांग, एक एकड़ से किसानों को हो रही 1 लाख से 1.50 लाख रुपए तक की वार्षिक आय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जशपुर जिले के किसान नाशपाती की खेती के माध्यम से उल्लेखनीय आय अर्जित कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। प्राकृतिक रूप से अनुकूल जलवायु और उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन के कारण जशपुर आज राज्य के प्रमुख नाशपाती उत्पादक जिलों में शामिल हो चुका है।

जशपुर जिले में लगभग 3,500 से अधिक किसान करीब 3,500 हेक्टेयर क्षेत्र में नाशपाती की खेती कर रहे हैं। जिले में प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 75 हजार क्विंटल नाशपाती का उत्पादन हो रहा है। इससे हजारों कृषक परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और जिले की पहचान फल उत्पादन के क्षेत्र में लगातार मजबूत हो रही है।

जशपुर की नाशपाती स्वाद, गुणवत्ता और आकर्षक आकार के कारण देश के विभिन्न राज्यों में विशेष रूप से पसंद की जाती है। जिले के सन्ना, पंडरापाठ, कंवई, महुआ, सोनक्यारी, मनोरा, धवईपाई और गीधा जैसे क्षेत्रों से नाशपाती की खेप दिल्ली, उत्तर प्रदेश, ओडिशा सहित अन्य राज्यों में भेजी जाती है। फल को सावधानीपूर्वक कैरेट में पैक कर बाजारों तक पहुंचाया जाता है।

नाशपाती की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। एक एकड़ क्षेत्र से किसानों को औसतन 1 लाख से 1.50 लाख रुपए तक की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और किसान आधुनिक उद्यानिकी की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। उद्यानिकी विभाग तथा नाबार्ड के सहयोग से किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, पौधरोपण, बागवानी प्रबंधन और विपणन संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत नाशपाती क्षेत्र विस्तार योजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से किसानों को अनुदान एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर जिले में उद्यानिकी आधारित कृषि को नई दिशा मिली है। नाशपाती की खेती न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है, बल्कि जशपुर को राज्य के एक उभरते हुए फल उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है।

भाटापारा क्षेत्र में प्रचंड गर्मी से पारा 44 पार, भू-जल स्तर भी लगातार नीचे पहुंचा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर व क्षेत्र में इन दिनों तेज व भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा जिसके कारण लोग कुलर पंखो के चलने के बावजुद परेशानी का अनुभव करते रहे । इस बीच दिन व रात में अनेक बार विद्युत आपूर्ति बंद होने की वजह से लोगो को गर्मी क ी बेचैनी के साथ साथ मच्छरों की मार से भी जुझना पड़ रहा है । फलस्वरूप दिन व रात में लोगो की जहां नींद पुरी नही हो रही है । वही भीषण गर्मी से लोग व्याकुल है जबकि अभी आने वाले नौतपा का सामना भी 25 मई से करना होगा। इस बीच सूर्य के तीखे तेवर वाले प्रहार से लोग हलाक ान है जिसके चलते आम नागरिक प्रातः 11 बजें से घरों में कैद होने लगे है वहीं बैंक

बीमा व अन्य दफतरों में भीषण गर्मी के कारण चहल पहल कमजोर है। लोगो के घरों व सरकारी अर्ध सरकारी दफतरों में लगे कुलर पंखो से भी लोग राहत महसुस नही कर पा रहे है क्योकि हीटवेव के चलते कुलर पंखे भी गर्म हवा फेक रहे है । भीषण गर्मी के मार से ट्रेन व बस में सफर कर रहे यात्री के साथ साथ कृषि उपज मंडी के हमाल रेजा कुली तौलया व गाड़ीवान के साथ साथ पोहा , राईस एवं दाल मिलों के कर्मचारी भी गर्मी से परेशान है। इस बीच भीषण गर्मी के कारण हॉटल व अन्य कैंटिन में चाय की बिक्री कमजोर हो गई है व नगर में ठंडे पेय पदार्थ , बर्फ , कुल्फी , आईसक्रीम ,ठंडा जुस , गन्ना रस व फ लो के रस की जबरदस्त बिक्री हो रही है। जबकि कमरतोड़ महंगाई का सिलसिला जारी है । लोग देर रात तक अपने परिवार के साथ ठंडे पेय पदार्थो का आनंद लेने उमड़ पड़े है । भीषण व प्रंचड गर्मी के बीच नगर के शासकीय अस्पताल के अलावा तीन दर्जन से अधिक छोटे बड़े निजी अस्पतालों में उल्टी दस्त बुखार व हाथ पैर दर्द के पीड़ित मरीज बड़ी तादाद में पहुंच रहे है जिसके कारण तमाम अस्पताल मरीजों से भरे पड़े है। इस बीच डॉक्टरों ने लोगो को तेज धुप में बिना किसी सुरक्षा के नही निकलने की सलाह दी है व गर्मी से बचने अधिक से अधिक पानी व अन्य पेय पदार्थ व मौसमी जुस का सेवन क र शरीर की सुरक्षा बनाये रखने की अपील की है। भीषण व तेज गर्मी के बीच शहर का भू - जल स्तर भी नीचे जा रहा है।

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के बघेल नगर के बीती रात्रि बोर खनन कराने वाले एक नागरिक के हौसले उस वक्त पश्त हो गये जब 461 फीट बोर खनन के उपरांत भी पानी नही निकला लेकिन आगे खनन प्रक्रिया जारी रखने पर 470 फीट नीचे देढ़ इंच पानी का स्त्रोत आने पर उसके मन में कुछ संतोष पहुंचा । गर्मी के चलते शहर व क्षेत्र के सैकड़ो सार्वजनिक बोर से पानी नही निकल रहा है वहीं अनेक तालाब ,नहर , डबरी सुख चले है जिसके कारण लोग पानी की तलाश में भटक रहे है। क्षेत्र की जीवन दायनी शिवनाथ नदी का जल प्रवाह भी अब खंडित होने लगा है । अनेक स्थानों पर जल प्रवाह की धारा टुटने लगी है जिससे लोग चिंतित है।

कृष्णा कॉलोनी में नये पदाधिकारियों का गठन

भाटापारा। शहर के कृष्णा नगर कॉलोनी में नये पदाधिकारी का गठन किया गया। जिसमें सुरेश मंधान को सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया । इसी तरह वेंकट राव उपाध्यक्ष , सुरेश गुप्ता सचिव , मंजित सिंग सप्पल को सहसचिव ,नुर मोहम्मद को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कॉलोनी की बुनियादी समस्याओं जैसे पेयजल ,सफाई , सुरक्षा , बिजली , को व्यवस्थित कर बेहतर कार्य करने की मंशा जताई है । सभी निर्वाचन निर्विरोध रूप से निर्वाचन अधिकारी ने संपूर्ण कराया ।

खाद की समस्या से किसान परेशान

भाटापारा। इस वर्ष खाद की समस्या से किसान अभी से ही परेशान होने लगे है। अभी वर्तमान में खरीफ फसल के लिए किसानों द्वारा कृषि कार्य प्रारंभ कराया जायेगा। जिसमें सबसे पहली आवश्यकता खाद की होगी। लगभग 20 दिन बाद रोपाई करने वाले किसान धान का थरहा कार्य प्रारंभ करेगा। अमुमन किसान 10 जून से लेकर के 15 जून के बीच थरहा कार्य संपूर्ण करा देता है। इससे 21 दिनों बाद धान की नर्सरी तैयार हो जाती है और रोपाई का कार्य 1 जुलाई के आस पास पूर्ण हो जाता है ऐसे ही खुर्रा बोनी करने वाले किसान 15 जून के आस पास खुर्रा बोनी कार्य पूर्ण कर लेते है । अभी कुछ समय से युरिया और डीएपी खाद का उपयोग किसानो द्वारा सरलता से किया जाता रहा है इससे किसानों को युरिया और डीएपी खाद की आदत सी बन गई है। नये खाद में विश्वास जमने में समय लगेगा। विश्वजगत में चल रहे युद्ध की स्थिति को देखते हुए खाद के पूर्ण आवश्यकता अनुसार प्राप्त होने की संभावना कम नजर आती है। ऐसी स्थिति में कृषि विभाग को प्रत्येक ग्राम में कैम्प कर युरिया और डीएपी खाद के समतुल्य खाद की मात्रा और रेश्यों की जानकारी प्रदान करना आवश्यक है इससे किसानों को युरिया और डीएपी नही मिलने पर अन्य किसी खाद की मात्रा का उपयोग किया जा सकेगा। किसान भाईयों को भी इस संदर्भ में कृषि विभाग से संपर्क कर खाद के विषय में अपनी स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है क्योकि कुछ दिन ही किसानी कार्य के लिए शेष है। और अभी की गई कार्यवाही को अमलीजामा पहनाते 15 दिन लग जायेंगे।

25 मई से निः शुल्क समर कैम्प का आयोजन

भाटापारा। आगामी 25 मई से 5 जून तक निः शुल्क समर कैम्प का आयोजन किरण इवेंट फ्युजन वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल विश्राम गृह के सामने आयोजित किया गया । निः शुल्क समर कैम्प में प्रातः 7.30 बजे से 10.00 बजे तक मेहंदी , रंगोली, पेटिंग , कर्सिव राईटिंग एवं डांस का निः शुल्क प्रशिक्षण बच्चो को दिया जायेगा।

अकाल पुरख की फौज के तत्वाधान में प्रतियोगिता संपन्न

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। अकाल पुरख की फौज द्वारा विशाल शब्द कीर्तन प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में किया गया। इस प्रतियोगिता में भाटापारा, बलौदाबाजार, नवागढ़, बेमेतरा, तखतपुर, डोंगरगढ़,पिथौरा सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों से आये बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया।

उक्त सफल आयोजन में अकाल पुरख की फौज के ,अमरजीत सिंह सलूजा, बलवंत सिंह सलूजा , रविंद्र सिंह चावला , मनमहेंद्र सिंह चावला, बेअंत सिंह खालसा, राजा गुंबर एवं हरभगवान गुंबर की टीम का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम के निर्णायक पैनल में निशु सलूजा एवं जगजीत सिंह, जसविंदर सिंह उपस्थित थे। उक्त अवसर पर श्वेता सेठी एवं शीतल सलूजा ,बेमेतरा से वीर जसपाल सिंह सलूजा, प्रतापल सिंह छाबड़ा एवं जसपाल सिंह चावला विशेष रूप से उत्साहवर्धन हेतु उपस्थित थे। जपनूर कौर खुराना , नीरत कौर खुराना , निरवैर कौर मक्कड़ , लवलीन कौर खुराना , गुरबानी कौर छाबड़ा , रसलीन कौर सलूजा , पैज कौर खुराना को पुरस्कार प्रदान किया गया। उपरोक्त अवसर पर सुशील सेठी, गुरमीत गुंबर, विजय आनंद, हरप्रीत सलूजा, मंजीत सिंह सपल, राजा चावला, पिंकू सलूजा, सतीश राजपाल, मोहन खालसा, गगनजीत आनंद, जॉन्टी गुंबर, मन्नी छाबड़ा, सहज गुंबर, मीत छाबड़ा, अमन चावला, गुरदयाल गुंबर, सरनजीत सिंह खालसा, कमल सेठी, सिरजन गुंबर, उमंग चावला, रोबिन चावला, सरबजीत राणा, सरनप्रीत छाबड़ा, चिंटू छाबड़ा, सनी सलूजा, सन्नी मक्कड़, रूपेंद्र सिंह खालसा, रंजीत सिंह छाबड़ा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। अकाल पुरख की फौज कि और. सै अमरजीत सिंह सालुज बलौदाबाजार इकाई ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों, अभिभावकों, संगत एवं प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की

केन्द्रीय गृह मंत्री ने सम्पूर्ण देश के नक्सलमुक्त होने के ऐतिहासिक अवसर पर पीएम मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार प्रकट किया

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सहित इन सदस्य राज्यों और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह बैठक केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की मेज़बानी में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि यह बहुत हर्ष का विषय है कि यह बैठक बस्तर में आयोजित की जा रही है और इससे पहले ही आज पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आज भारत के नक्सल मुक्त होने का संपूर्ण श्रेय हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। हमारी एजेंसियों ने बहुत सटीकता के साथ इनपुट एकत्र किए, सभी राज्यों के पुलिसबलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ मिलकर हर इनपुट पर सटीक कार्रवाई करने से संबंधित समयबद्ध निर्णय किए। इसके साथ ही Whole of the Government Approach के साथ सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार के सभी विभागों ने नक्सलमुक्त हुए क्षेत्रों में विकास को पहुंचाने का काम किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी लड़ाई समाप्त नहीं हुई है क्योंकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र लगभग पांच दशक से विकास की दौड़ में पिछड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इन क्षेत्रों को विकास के मामले में देश के बाकी क्षेत्रों के समकक्ष नहीं ले आते, तब तक हमारी लड़ाई समाप्त नहीं होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने पूरे देश के नक्सल मुक्त होने के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जो भी चीजें चाहिए थीं, उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर उन्हें प्राप्त किया और जहां नेतृत्व की जरूरत थी, वहां मुख्यमंत्री जी और उपमुख्यमंत्री जी ने नेतृत्व भी प्रदान किया और इसी का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। श्री अमित शाह ने कहा कि राज्यों के बीच के और राज्यों और केन्द्र के बीच के सभी विवादित मुद्दे समाप्त कर हम आज एक अच्छे वातावरण में यह बैठक कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि आज की बैठक में सभी एजेंडा विकास की मॉनिटरिंग से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा संघीय ढांचा मजबूत हुआ है और क्षेत्रीय परिषद की बैठकें निरंतर हो रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत बड़े भूभाग में चार राज्यों के बीच और चार राज्यों का केन्द्र के साथ कोई विवाद ही नहीं बचा है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं। उत्तर के हिमालय क्षेत्र से लेकर गंगा-यमुना के मैदानी भूभाग से लेकर मध्य भारत के पठारी, वन समृद्ध और खनिज समृद्ध क्षेत्र इस क्षेत्र में आते हैं, जो निश्चित रूप से देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होने कहा कि यह क्षेत्र हमें देश के अनाज के भंडारों को भरने में बड़ी मदद करता है।

> **मोदी जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषद की बैठकें संवाद से समाधान का सशक्त मंच बनी हैं, इनमें निरंतरता आई है और इन्हें परिणामदायी बनाया गया है**

इस क्षेत्र के समृद्ध खनिज भंडार से देश के विकास को गति मिलती है और इसी क्षेत्र की समृद्ध विरासत और संस्कृति ने देश को आगे बढ़ाने में मदद की है। इसी क्षेत्र में देश के आस्था के सभी केंद्र करीब-करीब एक ही जगह पर आए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लगभग सात राज्यों को जोड़ता है और इस दृष्टि से पूरे मध्य क्षेत्र का बहुत महत्व है। गृह मंत्री ने कहा कि आज यह पूरा क्षेत्र ना केवल नक्सल मुक्त हुआ है, बल्कि विवादों से भी मुक्त हुआ है, जो हम सबके लिए बहुत हर्ष का विषय है। श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषद बैठकों का एक मजबूत और जीवंत तंत्र बना है - हमने इसे निर्णायक, निरंतर और परिणामदायी बनाया है। 2004 से 2014 के 10 वर्षों में क्षेत्रीय परिषद की मात्र 11 बैठकें हुई थीं, जो 2014 से 2026 के बीच बढ़कर 32 हो गई हैं। पहले 10 वर्षों में स्टैंडिंग कमेटी की 14 बैठकें हुई थीं, जो इस अवधि में ढाई गुना बढ़कर 35 हुई हैं। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 में मात्र 569 मुद्दों पर चर्चा हुई थी, जबकि 2014 से 2026 में 1729 मुद्दों पर चर्चा हुई है, और उनमें से लगभग 80% मुद्दों का सफल निराकरण भी कर लिया गया है। लंबित मुद्दों में से अधिकांश मॉनिटरिंग से संबंधित हैं, जिनमें किसी भी प्रकार का विवाद शेष नहीं है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन -2 पर हमें अभी से फोकस करना चाहिए और हर घर में नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

आवासीय विकास के तहत "अटल विहार योजना" का भव्य शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में शहरी विकास और आवासीय सुविधाओं की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ग्राम पर्री में जिले की प्रथम आवासीय कॉलोनी "अटल विहार योजना" का भव्य भूमिपूजन संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा लगभग 37.66 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही यह महत्वाकांक्षी परियोजना जिले के आवासीय परिदृश्य को नई पहचान देने जा रही है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अटल विहार योजना जिलेवासियों के अपने घर के सपने को साकार करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को मूर्त रूप देने वाली परियोजना बताते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में "मोदी की गारंटी" के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सूरजपुर जिले की पहली आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय कॉलोनी होगी, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से लेकर उच्च आय वर्ग तक सभी के लिए किफायती दर पर आवास उपलब्ध होंगे। अटल विहार योजना के अंतर्गत ग्राम पर्री में लगभग 10 एकड़ भूमि पर कुल 185 भवन बनाए जाएंगे। इनमें 68 ईडब्ल्यूएस, 60 एलआईजी, 47 एमआईजी तथा 10 एचआईजी भवन शामिल हैं। भवनों की कीमतें विभिन्न आय वर्गों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई हैं, जिससे हर वर्ग के लोगों को किफायती दर पर आवास उपलब्ध हो सके। प्रशासन के अनुसार योजना को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है और अब तक लगभग 70 प्रतिशत भवनों का पंजीयन पूरा हो चुका है। शेष भवनों के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है। अटल विहार योजना को सूरजपुर जिले में संगठित शहरी विकास की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉलोनी आने वाले समय में जिले के लिए मॉडल आवासीय परियोजना के रूप में स्थापित हो सकती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com